हिन्दी

(दूर्वा) (पाठ 12) (भवानी प्रसाद मिश्र - आषाढ़ का पहला दिन)
(कक्षा 8)

प्रश्न 1:

पाठ से

(क)

किसान को बादलों का इंतजार क्यों रहता है?

(क)

वर्षा होने पर धरती की प्यास बुझेगी और किसान की फसल को भी पानी मिलेगा जिससे उसकी खेती लहलहा उठेगी। इसीलिए, किसान को बादलों का इंतजार रहता है।

(ख)

कवि को वर्षा होने पर किसान की याद क्यों आती है।

(ख)

किसान बेसब्री से अपनी सूखी फसल के लिए भगवान से प्रार्थना करता है और उसकी प्रार्थना से प्रसन्न होकर भगवान बारिष करते हैं। इसीलिए कवि को वर्षा होने पर किसान की याद आती है।

(ग)

कवि ने किसान की तुलना चातक पक्षी से क्यों की है?

(ग)

जिस प्रकार चातक पक्षी अपनी अंतिम सांस तक स्वाति नक्षत्र में होने वाली बारिष की प्रतीक्षा करता है और बारिष होने पर ऐसा लगता है मानो उसकी तपस्या पूरी हो गई हो। ऐसा ही किसान को भी लगता है इसीलिए, कवि ने किसान की तुलना चातक पक्षी से की है।

प्रश्न 2:

पाठ से आगे

(क)

कवि ने कविता में वर्षा ऋतु का वर्णन किया है। वर्षा ऋतु के बाद कौन-सी ऋतु आती है? उसके बारे में अपना अनुभव बताओ।

(क)

वर्षा ऋतु के बाद शरद ऋतु आती है। इसके आते ही लोगों के शरीर गर्म कपड़ों से ढंकने लगते हैं। और ठंड के साथ दिन पर दिन ये बढ़ते ही जाते हैं।

(ख)

वर्षा ऋतु से पहले लोग क्या-क्या तैयारियाँ करते हैं? उनमें से कुछ लोगों के बारे में जानकारी एकत्र कर सूची बनाओ।

(ख)

वर्षा ऋतु से पहले लोग अपने घर की मरम्मत, टूट-फूट सही करवाते हैं जिससे कि बारिष में उनका घर न टपके और इससे बचने के लिए छाता और बरसाती भी तैयार कर लेते हैं।

प्रश्न 3:

पहला दिन

(क) तुम अपनी कक्षा में जब पहले दिन आए थे तो उस दिन क्या-क्या हुआ था? अपनी याद से अपने अनुभव को दस वाक्यों में लिखकर दिखाओ।

(ख) तुम चाहो तो 'पहला दिन' शीर्षक पर कुछ पंक्तियों की कोई कविता भी लिखकर दिखा सकते हो।

उत्तर 3:

(क) छात्र जब कक्षा में पहले दिन आता है तो उसका एक न्या अनुभव होता है। यह अनुभव सभी का अलग-अलग होता है। इस प्रकार सभी छात्र अपने अनुभव के आधार पर लिखें।

(ख) छात्र स्वयं लिखें।

प्रश्न 4:

सोचो-समझो और बताओ

क्या होगा-

(क)

अगर वर्षा बिलकुल ही न हो।

(क)

अगर वर्षा बिलकुल ही न हो तो सारी धरती सूख जाएगी, सारी फसल नष्ट हो जाएगी, लोग त्राहि-त्राहि करने लगेंगे।

(ख)

अगर वर्षा बहुत अधिक हो।

(ख)

अगर वर्षा बहुत अधिक हो तो धरती पर चारों ओर जल ही जल हो जाएगा सारा जीवन अस्त-व्यस्त हो जाएगा।

(ग)

अगर वर्षा बहुत ही कम हो।

(ग)

अगर वर्षा बहुत ही कम हो तो धरती पर सूखा पड़ जाएगा लोगों को खाने के लिए पर्याप्त अनाज नहीं मिल सकेगा। पक्षी ओर जानवर प्यासे मरने लगेंगे।

(घ)

वर्षा हो मगर आँधी-तूफ़ान के साथ हो।

(घ)

आँधी-तूफ़ान के साथ वर्षा होने से धरती पर सारा जीवन अस्त-व्यस्त हो जाएगा जान-माल का काफी नुकसान होगा।

(ङ)

वर्षा हो मगर तुम्हारे स्कूल में छुट्टियां हों।

(ङ)

वर्षा हो और हमारे स्कूल की छुट्टियां हो तो कुछ बच्चे मौज मनाएंगे और कुछ बच्चे दुखी होंगे कि एक छुट्टी कम हो गई।

प्रश्न 5:

कल्पना की बात

कवि अपनी कल्पना से शब्दों के हेर-फेर द्वारा कुछ चीजों के बारे में ऐसी बातें कह देता है, जिसे पढ़कर बहुत अच्छा लगता है। तुम भी अपनी कल्पना से किसी चीज के बारे में जैसी भी बात बताना चाहो, बता सकते हो। हाँ, ध्यान रहे कि उन बातों से किसी को कोई नुकसान न हो। शब्दों के फेर-बदल में तुम पूरी तरह से स्वतंत्र हो।

उत्तर 5:

छात्र अपनी कल्पना शक्ति का उपयोग करते हुए उपरोक्त प्रश्न का उत्तर लिखें।

प्रश्न 6:

तुम्हारा कवि और सबकी कविता

तुमने इस कविता में एक कवि, जिसने इस कविता को लिखा है, उसके बारे में जाना और इसी कविता में एक और कवि कालिदास के बारे में भी जाना। अब तुम बताओ-

(क) तुम्हारे प्रदेश और तुम्हारी मातृभाषा में तुम्हारी पसंद के कवि कौन-कौन हैं?

(ख) उनमें से किसी एक कवि की कोई सुंदर-सी कविता, जो तुम्हें पसंद हो, को हिंदी में अनुवाद कर अपने साथियों को दिखाओ।

उत्तर 6:

छात्र अपने बड़ों से पता करके भाग (क) का उत्तर दें तथा उसीके आधार पर कविता का हिन्दी अनुवाद करें।

प्रश्न 7:

नमूने के अनुसार

नीचे शब्दों के बदलते रूप को दर्शाने वाला नमूना दिया गया है। उसे देखो और अपनी सुविधानुसार तुम भी दिए गए शब्दों को बदलो।

नमूना: गिरना - गिराना - गिरवाना

उत्तर 7:

उठना- उठाना - उठवाना

पढ़ना - पढ़ाना - पढ़वाना

करना - कराना - करवाना

फहरना - फहराना - फहरवाना

सुनना - सुनाना - सुनवाना